DATE :- 09-03-2026

DAINIK BHASKAR, PAGE-ii, SURAT.

सिटी एंकर

टेलीकॉम कंपनियां आईबीएस सिस्टम कॉमन इस्तेमाल कर सकेंगी, 2G से 5G नेटवर्क अपडेट होंगे

सूरत मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट में मुंबई अंडरग्राउंड मेट्रो की तरह मोबाइल नेटवर्क ब्रेक नहीं होगा, 5G कवरेज के लिए इन बिल्ट सिस्टम लगेगा

भास्कर एक्सक्लूसिव

लवकुश मिश्रा | सूरत

सूरत मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट में मोबाइल नेटवर्क मुंबई अंडरग्राउंड मेट्रो से ज्यादा एडवांस होगा। चौक बाजार, मस्कति, लाभेश्वर मेट्रो स्टेशनों पर 5G कवरेज के लिए इन बिल्ट सॉल्यूशन तकनीक इंस्टॉल की जाएगी, ताकि यात्रियों के मोबाइल का नेटवर्क ब्रेक न हो। जीएमआरसी ने अंडरग्राउंड स्टेशनों और टनल में निर्बाध मोबाइल नेटवर्क के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। इससे मेट्रो में सफर के दौरान 2G से लेकर 5G तक का सिग्नल लगातार बेहतर मिलेगा।

अंडरग्राउंड स्टेशनों और टनल में मोबाइल नेटवर्क के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

▪ **मुंबई अंडरग्राउंड मेट्रो में मोबाइल नेटवर्क की दिक्कतें सामने आईं** | मुंबई मेट्रो लाइन के अंडरग्राउंड सेक्शन में नेटवर्क को लेकर बड़ी दिक्कतें सामने आई हैं। वहां न्यूट्रल टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर तो लगाया गया, लेकिन टेलीकॉम कंपनियों की सीमित भागीदारी और व्यावसायिक सहमति के अभाव में कॉल ड्रॉप, 'नो सर्विस' और UPI पेमेंट फेल जैसी शिकायतें लगातार मिल रही हैं। कई यात्रियों को स्टेशन Wi-Fi पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

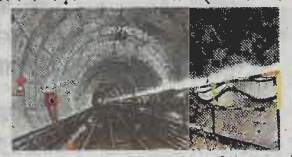

▪ **पहले तकनीकी और फिर वित्तीय प्रस्ताव खोले जाएंगे** | सूरत मेट्रो के अंडरग्राउंड सेक्शन में निर्बाध मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया दो पैकेटों में होगी। पहले तकनीकी प्रस्ताव और फिर वित्तीय प्रस्ताव खोले जाएंगे। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 13 मार्च 2026 रखी गई है। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के जरिए होगी। गौरतलब है कि सूरत मेट्रो रेल के अंडरग्राउंड सेक्शन में टनल तैयार हो गई है। अब इसमें ट्रैक और अंडरग्राउंड स्टेशन के निर्माण का काम चल रहा है।

वीडियो कॉल, ऑनलाइन पेमेंट, सोशल मीडिया और ऑफिस वर्क नहीं रुकेगा

मेट्रो में सफर के दौरान अक्सर कॉल ड्रॉप, इंटरनेट बंद या मैसेज लेट पहुंचने जैसी समस्याएं आती हैं। खासकर अंडरग्राउंड हिस्सों में नेटवर्क लगभग गायब हो जाता है। इन बिल्ट सॉल्यूशन तकनीक से यात्रियों को वीडियो कॉल, ऑनलाइन पेमेंट, सोशल मीडिया और ऑफिस वर्क में रुकावट नहीं आएगी। जीएमआरसी की योजना के अनुसार लाइसेंसधारी कंपनी पूरे नेटवर्क सिस्टम को स्थापित करेगी और उसका संचालन व रखरखाव भी करेगी। लाइसेंस की अवधि करीब 9 साल तय की गई है।